पंजाब केसरी
THU,16 APRIL 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 3

सी.आर.एस.यू. में प्रेरणादायक प्रदर्शनी का आयोजन

जींद, 15 अप्रैल (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के मार्गदर्शन में महात्मा ज्योतिराव फुले एवं डॉ. भीमराव रामजी आम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित 3 दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रेरणादायक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

इस प्रदर्शनी में दोनों महान विभूतियों के जीवन, उनके संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध उनके आंदोलनों तथा शिक्षा, समानता और न्याय के लिए किए गए उनके योगदान को चित्रों, पोस्टरों, लेखों एवं विभिन्न रचनात्मक माध्यमों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने अपने संदेश में कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डॉ. आम्बेडकर के विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा समतामूलक समाज के निर्माण पर बल दिया।

प्रो. सैनी ने यह भी कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना विकसित करना और उन्हें समानता एवं मानवता के मूल्यों के प्रति जागरूक करना है। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और प्रेरणा प्राप्त की। वहीं कुलसचिव प्रो. सीमा गुप्ता ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए रजिस्ट्रार।

अमर उजाला

Date-16.04.2026

ज्योतिबा फुले व डॉ. आंबेडकर जयंती पर लगी प्रदर्शनी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में महात्मा ज्योतिबा फुले और डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। प्रदर्शनी में चित्रों, पोस्टरों और लेखों के माध्यम से दोनों महान विभूतियों के जीवन संघर्ष, सामाजिक आंदोलनों और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया।

कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि फुले और डॉ. आंबेडकर के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही इन महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना विकसित करना और उन्हें समानता व मानवता के मूल्यों के प्रति जागरूक करना है।

कुलसचिव प्रो. सीमा गुप्ता ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए अनिवार्य हैं। यह प्रदर्शनी केवल ऐतिहासिक तथ्यों का संग्रह नहीं है बल्कि युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवाओं से महापुरुषों के आदर्शों को अपनाकर समाज की असमानताओं को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

सीआरएसयू में प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं कुलसचिव प्रो.सीमा गुप्ता। स्रोत : विवि

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश सिंहमार ने बताया कि प्रदर्शनी का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को महान विचारकों के जीवन से जोड़कर उनमें सामाजिक न्याय और शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना था। इस अवसर पर शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक बताया।